प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय के 20 विद्यार्थी प्रशिक्षण हेतु फ्रांस रवाना

विश्वविद्यालय के बीस छात्र फ्रांस की प्रशिक्षण यात्रा पर जा रहे हैं, जहाँ वे आधुनिक कृषि तकनीकों में इंटर्नशिप प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। यह कार्यक्रम फ्रांस के कृषि और खाद्य संप्रभुता मंत्रालय तथा पंतनगर विश्वविद्यालय के बीच हुए एक हालिया समझौते का परिणाम है। इस समझौते के तहत, पंतनगर विश्वविद्यालय के बीस छात्र 9 मार्च 2025 से 4 अप्रैल 2025 तक फ्रांस के विभिन्न संस्थानों में एक महीने की इंटर्नशिप प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। यह इंटर्नशिप डेफिया कंसोर्टियम' के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। इस प्रशिक्षण केंद्र का मुख्य उद्देश्य छात्रों को खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से कृषि में नवीनतम तकनीकों और व्यावहारिक कौशल से परिचित कराना है। पंतनगर विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशक 'डा. एच. जे. शिवा प्रसाद' ने इस कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण छात्रों को खाद्य प्रौद्योगिकी, खाद्य विज्ञान, कृषि आदि में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए विभिन्न विषयों के छात्रों का चयन किया गया है, जिनमें 'कृषि, प्रौद्योगिकी, एग्रीबिजनेस, सामुदायिक विज्ञान और जैव–प्रौद्योगिकी' आदि के छात्र शामिल हैं।

इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में शामिल होने वाले कुछ उल्लेखनीय छात्र हैं, जिनमें प्रियांशी माहेश्वरी (पीएच.डी., खाद्य प्रौद्योगिकी), सुष्मिता रांगर (पीएच.डी., प्रबंधन), अश्मिता चौहान एवं दिशा अग्रवाल (पीएच.डी., कृषि विस्तार शिक्षा), नेहा चंद (पीएच.डी., कृषि मौसम विज्ञान), मुखमीत सिंह (पीएच.डी., फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग), बावंडला लोकेश बाबू (एमबीए, एग्रीबिजनेस), डा. यजस कन्याल (मास्टर्स, पशु चिकित्सा विज्ञान), दिव्या कोरंगा (एम.एससी., प्लांट पैथोलॉजी), अभिनव (एम.एससी., एंटोमोलॉजी), सत्येंद्र यादव (एम.टेक., सॉइल और वॉटर कंजर्वेशन इंजीनियरिंग), यश छाबड़ा (बी.टेक., सिविल इंजीनियरिंग), अविनाश पाराशर पांडे एवं अपूर्वा रावत (स्नातक, पशु चिकित्सा विज्ञान), दीपांशु मुकाती, निमिषा भट्ट, शगुन एवं डेल्डन नाम्ग्याल (बी.एससी., कृषि), आदित्य कुमार (बी.टेक., जैव–प्रौद्योगिकी) तथा श्रेष्ठी सक्सेना (बी.एससी., मत्स्य विज्ञान) प्रमुख रूप से शामिल हैं।

पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए इस अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक आदान–प्रदान से छात्रों के व्यावसायिक एवं अकादमिक कौशल में वृद्धि होगी। यह कार्यक्रम न केवल छात्रों के करियर को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत और फ्रांस के बीच सांस्कृतिक संबंधों को भी प्रोत्साहित करेगा।

प्रशिक्षण के लिए फ्रांस में जाते 20 विद्यार्थी।

निदेशक संचार